

ब्रिटेन में चाकू से होने वाले अपराधों लगेगी रोक

भारतीय किशोर की याद में सरकार ने की रोनन कानून की घोषणा

लंदन, 19 फरवरी 2025। ब्रिटेन सरकार ने बुधवार को चाकू बेचने वाले ऑनलाइन खुदरा विक्रेताओं के लिए सख्त नियमों का एलान किया। सरकार ने भी घोषणा कि नए नियमों को लागू करने में विकल रहने पर कड़ा जर्माना लगाया जायगा। वह कदम भारतीय मूल के एक किशोर रोनन कांडा (16 वर्षीय) की स्मृति में उठाया गया, जिसकी चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी।

नए रोनन कानून के तहत खुदरा विक्रेताओं को अपने मंच पर चाकूओं की संदिग्ध और बड़ी मात्रा में खरीद की सूचना पुलिस को देनी होगी। कानून के तहत 18 साल से काम आयु वर्ग के लड़कों को चाकू बेचने पर कड़ा सजा का प्रावधान होगा।

बोल्टरहैम्प्टन में की गई थी रोनन की हत्या।

जुलाई 2022 में इलैंड के बोल्टरहैम्प्टन में रोनन कांडा की चाकू मारक हत्या कर दी गई थी। वह हमला उठाकर घर के पास ही हुआ था। हमला गलत पहचान के कारण हुआ था। रोनन की मां पूजा कांडा ने इसके बाद माले में सख्त कदम उठाने की मांग की थी। उनके बेटे



की हत्या करने वाले भारतीय मूल के किशोर को 34 साल की सजा हुई थी।

रोनन की मांग पूजा ने क्या कहा

एक बयान में पूजा कांडा ने कहा, 2022 में गलत पहचान के कारण चाकू से हमले को बदल मैंने अपना बेटा रोनन खो दिया। 2023 में जब हम कोट्टर रूम में थे, तो हमें एक तलवार

और 25 से अधिक ब्लेड वाली चीजें खिलाई गईं। उन्हें देखकर मूर्खे पापा चला कि मेरे बेटे के पाप बच्चों का काई मौका नहीं था। उन्होंने कहा, हम विक्रेताओं, सोशल मीडिया और विक्रेताओं से ज्यादा जिम्मेदारी की उपर्योग करते हैं। हाप (चाकू के) पंजीकरण की योजना का ताकिया जारी करते हैं, जिसमें सरकार चाकू की

ऑनलाइन विक्री होने पर सख्त कदम उठाएगी।

हत्यारों ने ऑनलाइन खरीद थे चाकू उहोंने कहा, रोनन कानून लागू होने के बाद चाकू से होने वाले अपराधों में रोक लगेगी।

काश यह वर्षीय पहले किया गया होता तो आज मेरा बेटा मेरे साथ होता। पूजा कांडा ने यह भी मुझ उत्तमा कि चाकू की ऑनलाइन विक्री के समय पहचान पत्र की जांच नहीं की जाती है।

बोल्टरहैम्प्टन क्राउन कोट में पता चला था कि रोनन के तहतों में बिना उम्र या पहचान की जांच के चाकू ऑनलाइन खरीद थे और हमले के दिन पोर्ट ऑफिस से उहोंने एक रोक किया था।

ब्रिटेन के गृह मंत्रालय ने

एक कानून पर क्या कहा

ब्रिटेन के गृह मंत्रालय ने कहा कि रोनन कानून चाकू की ऑनलाइन विक्री के दौरान सामने आ रही खामियों को दूर करने के लिए लाया गया है और यह रोनन की मां और बहन निश्चित के लगातार अभियान की नीति है, जो युवाओं की हथियारों तक पहुंच को रोकने और इसी तहत दुख झेलने वाले परिवारों के स्वागत करते हैं, जिसमें सरकार चाकू की

लिए शुरू किया गया था।

बलूचिस्तान में बंदूकधारियों ने बस को बनाया निशाना, लाहौर जा रहे सात यात्रियों को उतारा मौत के घाट



इस्लामाबाद, 19 फरवरी 2025।

पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में बुधवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने एक बस में सवार सात यात्रियों की हत्या कर दी। अधिकारियों ने बताया कि बंदूकधारियों ने बलूचिस्तान क्षेत्र में हाथों पर नाकाबदी करके बस को रोक लिया। हमलावर बस में चढ़े और यात्रियों के पहचान से पंजाब प्रांत जा रही बस को रोका और सात यात्रियों को बस से उतारा और पहाड़ी के पास ले गए। इसके बाद गोलियों की आवाज सुनाई दी।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने इसे आंतकी घटना और मृत्युमंत्री और मृत्युमंत्री की निंदा की।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति असियां अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और बलूचिस्तान के सीएम सफरजाह बुराती ने आंतकी हमले की निंदा की। सीएम ने कहा कि हमलावरों को को तलाश जा रहा है। उन्हें सजा दिलाई जाएगी।

वर्ही राष्ट्रपति असियां अली जरदारी ने कहा कि निर्दोष लोगों की हत्या करना कायरातारपूर्ण और जघन्य है। आंतकी शांति और मानवता के दूरमन हैं। वे बलूचिस्तान में अशांति कायम करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि निर्दोष लोगों की हत्या बर्दाशत नहीं की जाएगी। सरकार और सूरक्षा तक किसी भी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि बलूच आंतकी संगठन लगातार

लिए काम कर रहे हैं।

स्थायी गणदूत पर्वतनेरी हरीश ने कहा कि सभी सातों यात्री पंजाब प्रात से थे और वे लाहौर जा रहे थे। सुरक्षा बलों ने मौके पर पहुंचकर हमलावरों की तलाश तेज कर दी है। पुलिस के मुठभेदिक अभी तक किसी भी संगठन को हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि बलूच आंतकी ने एक बाद उनको गोली मार दी गई है।

बैठक के दौरान यूरोप में भारत के

मूर्निख के कबिस्तानों में एक हजार कब्बों पर लगे क्यूआर कोड वाले रहस्यमयी स्टीकर, पुलिस कर रही जांच

बर्लिन, 19 फरवरी 2025। जर्मनी के मूर्निख शहर के तीन कबिस्तानों में एक हजार से ज्यादा कब्बों पर लगे क्यूआर कोड लगाये गए हैं। क्यूआर कोड किसने कब्बों पर लगाये गए हैं, इसे लेकर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि 5x3.5-सेटीमीटर (1.95x1.2 इंच) के क्यूआर कोड लगाने के बाद एक स्टीकर को स्कैन करने पर कब्बों में दफन व्यक्ति का नाम और कबिस्तान में उसका स्थान पता चलता है। इसके अलावा कोई अन्य जानकारी नहीं मिल रही है।

पुलिस प्रत्यक्ष क्रियाकलाप इंस्पेक्टर ने

बताया कि इसके पीछे मैं कोई पैटन नहीं मिला है। ये स्टीकर्स पुरानी और नई दोनों कब्बों पर लगाए गए हैं, जिन कब्बों पर लेकर लकड़ी का क्रॉस लगा है, उन पर भी

स्टीकर्स लगे हैं। ये स्टीकर वाल्डफ्रीडोफ, सेंडलिंग, फ्रीडोफ और फ्रीडोफ सोल्न तो वे इसकी सूचना कबिस्तान प्रशासन को दे सकते हैं। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इसके पीछे कौन है? इसके

सासाहत मूर्निख में भी इसी तरह के एक प्रदर्शन में सब लाख लोग शामिल हुए थे। कई लोगों ने अल्टरनेटव फार जर्मनी की निंदा करते हुए नारे लिखी तथियां ले रखी थीं।

उन्होंने कहा कि अगर किसी ने कब्बों पर

स्टीकर्स लगाए हैं तो वे क्यूआर कोडों को देखकर विकल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अगर किसी ने कब्बों पर

स्टीकर्स लगाए हैं तो वे क्यूआर कोडों को देखकर विकल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अगर किसी ने कब्बों पर

स्टीकर्स लगाए हैं तो वे क्यूआर कोडों को देखकर विकल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अगर किसी ने कब्बों पर

स्टीकर्स लगाए हैं तो वे क्यूआर कोडों को देखकर विकल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अगर किसी ने कब्बों पर

स्टीकर्स लगाए हैं तो वे क्यूआर कोडों को देखकर विकल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अगर किसी ने कब्बों पर

स्टीकर्स लगाए हैं तो वे क्यूआर कोडों को देखकर विकल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अगर किसी ने कब्बों पर

स्टीकर्स लगाए हैं तो वे क्यूआर कोडों को देखकर विकल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अगर किसी ने कब्बों पर

स्टीकर्स लगाए हैं तो वे क्यूआर कोडों को देखकर विकल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अगर किसी ने कब्बों पर

स्टीकर्स लगाए हैं तो वे क्यूआर कोडों को देखकर विकल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अगर किसी ने कब्बों पर

स्टीकर्स लगाए हैं तो वे क्यूआर कोडों को देखकर विकल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अगर किसी ने कब्बों पर

स्टीकर्स लगाए हैं तो वे क्यूआर कोडों को देखकर विकल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अगर किसी ने कब्ब

